Paper - II

MT

Seat No. | | | | | | | |

2017 1100

MT - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - SEMI PRELIM - II - PAPER - II

Time : 3 Hours **(Pages 11)** **Max. Marks : 80**

सूचनाएँ :- (1) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य तथा पूरक पठन की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।

(3) रचना विभाग तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 : गद्य

20 अंक

प्र.1. (क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

1) i) आकृति पूर्ण कीजिए। **1**

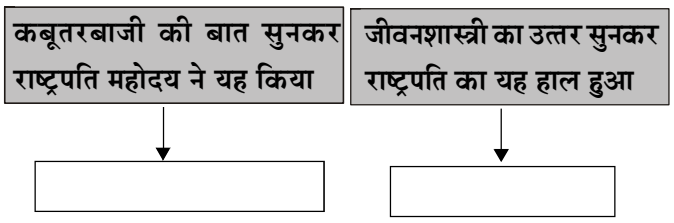

ii) आकृति पूर्ण कीजिए। **1**

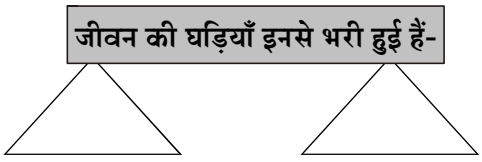

ठीक चार बजे विदेशी विद्वान राष्ट्रपतिभवन पहुँच गए, और राष्ट्रपति तो वहाँ थे ही, पर ये तीसरे महाशय कहाँ हैं ? सवा चार बज गए और चाय आ गई, पर वे नहीं आए । लो, ये बज गए साढ़े चार और तब भी वे लापता। राष्ट्रपति का सेक्रेटरी उनके घर गया, तो पता चला कि वे तो तीन बजे ही राष्ट्रपतिभवन चले गए थे ।

सेक्रेटरी जब उनके घर से लौट रहा था, तो वे बाज़ार में उसे मिले। वे बाज़ार में क्या कर रहे थे? राष्ट्रपतिभवन में एक विदेशी विद्वान से सलाह करने के मुकाबले वह कौन-सा जरूरी काम था, जिसे वे बाज़ार में कर रहे थे?

''जी? क्या देख रहे थे वे वहाँ बाजार में?''

जी कुछ नहीं और क्या कुछ भी नहीं। न भौंचक होने की जरूरत है, न विस्मय-विमुग्ध । बात एकदम साफ है कि वे बाज़ार में कबूतरबाजी का मैच देख रहे थे।

आपका जी चाहे, तो आप नाक-भौं सिकोड़ सकते हैं, उनके नाम पर कुढ़ सकते हैं । राष्ट्रपति ने भी कबूतर देखने की बात सुनकर यही किया था, पर एक बात पहले ही बता दूँ आपको कि तब आपका भी वही हाल होगा, जो उनका उत्तर सुनकर राष्ट्रपति का हुआ था तो सुन लीजिए वह उत्तर :

राष्ट्रपति ने अपने देश की भाषा में जब उनसे पूछा कि क्या कबूतरों का मैच देखना इस राष्ट्रीय काम से ज्यादा जरूरी था? तो वे बोले, ''यह जरूरी और बेजरूरी का या बढ़िया-घटिया का सवाल नहीं है, यह तो आनंद का प्रश्न है । यह काम बहुत ज़रूरी है, मैं यह बात मानता हूँ, पर अचानक जीवन में आनंद का गुदगुदाने वाला जो क्षण आ गया था, मैं भला उसकी उपेक्षा कैसे कर सकता था राष्ट्रपति महोदय।''

सुनकर राष्ट्रपति को हँसी आ गई । आप भी अब हँस सकते हैं, पर इस विद्वान की इस बात से इनकार नहीं कर सकते कि संघर्षों और खींचा-तानियों से भरी घड़ियों में जीवन को गुदगुदाने वाले क्षणों का बहुत महत्त्व है और हम उनकी उपेक्षा नहीं कर सकते ।

2) i) **समझकर लिखिए।** **1**

(1) सेक्रेटरी और जीवनशास्त्री के मुलाकात का स्थान -

(2) जीवनशास्त्री जी ने बाज़ार में यह देखा -

ii) **उपर्युक्त गद्यांश से दो ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हो।** **1**

(1) राष्ट्रपतिभवन (2) सेक्रेटरी

3) i) **गद्यांश में आए विरुद्धार्थी शब्द है ।** **1**

(1) बढ़िया (2) जरूरी

ii) **समानार्थी शब्द लिखिए ।** **1**

(1) लापता (2) आनंद

4) **''क्या मनोरंजन की उपेक्षा करना उचित है।'' विषय पर अपना मत व्यक्त कीजिए।** **2**

प्र.1. (ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

1) i) **आकृति पूर्ण कीजिए।** **1**

(1) **इनके अनुरूप बाँटा तपस्या का फल** → ( )

(2) **इस ऐतिहासिक आंदोलन का नाम परिच्छेद में आया है।**

ii) **उत्तर लिखिए।**

बापू की हर साँस की विशेषता **1**

(1) ----------- (2) -----------

बापू की छाती की हर साँस तपस्या थी,
आती-जाती हल करती एक समस्या थी।

उस तपस्या का फल, बापू अवसर और पात्र के अनुरूप अपने सारे जीवन बाँटते रहे। उनकी तपस्या का एक छोटा-सा प्रसाद पाने का अवसर मुझे भी प्राप्त हुआ था।

यह बात असहयोग आंदोलन के समय की है । अवसर विशेष क्या था, इसकी मुझे याद नहीं । प्रयाग में कांग्रेस के बहुत से नेता आए हुए थे। आनंद भवन अतिथियों से भरा हुआ था । नेताओं की दैनिक सुविधाओं की देख-रेख करने के लिए एक स्वयंसेवकदल बना लिया गया था । जाड़े के दिन थे । एक बड़े बरतन में पानी गरम होता था और जब जिसको नहाने धोने के लिए पानी की जरूरत होती थी, हम छोटी-छोटी बाल्टियों में भर, पहुँचा दिया करते थे। गांधीजी भी आनंद भवन में ठहरे थे। उनके नहाने के लिए गरम पानी ११ बजे पहुँचाने का आदेश था। समय आ गया। पानी तो तैयार था ही। दुर्भाग्यवश हमारे पास उस समय एक ऐसी बाल्टी बची हुई थी जिसका हैंडिल निकल गया था। पानी तो हमने उसमें भर लिया, पर उसे उठाकर कैसे ले जाया जाए ? इंतजार था कि कोई अच्छी बाल्टी खाली होकर आ जाए तो उसी को ले जाएँ। यह भी ध्यान था कि नहाने के लिए भी क्या कोई मुहूर्त होता है ? दो-चार मिनट इधर-उधर ही हो गए तो क्या ? ठीक ग्यारह बजे गांधीजी नहाने की तैयारी में बरामदे में आए। पानी तो उनके पास पहुँचा नहीं था। हमारी ओर उन्होंने देखा, समस्या भी समझ गए, मुस्कराए और हमने देखा कि तेजी के साथ वे हमाम की ओर आ रहे हैं। बाल्टी के पास आते ही उन्होंने अपने दोनों हाथों से उसे उठा लिया और लेकर तीर की तरह, अपने नहाने के कमरे की ओर चले गए। जाते समय इतना कह गए - जो काम जिस समय करना है करना, न करना समय के साथ दगाबाजी है। यह सब इतनी जल्दी हो गया कि न हमसे बन पड़ा कि खुद बाल्टी ले जाएँ, न यह कि उस गरम हुए बरतन को उनसे छुड़ा लें। शायद भय भी था कि इस छीना झपटी में कहीं गरम पानी बाहर छलककर हाथों को न जला दे। वे तो बस आए और बरतन उठाकर चले ही गए। किसी तरह का उन्होंने मौका ही न दिया।

2) i) **उपर्युक्त गद्यांश से दो ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हो।** **1**

(1) तपस्या (2) आनंदभवन

ii) **उचित पर्याय चुनकर लिखिए।** **1**

(1) **स्वयंसेवक दल का निर्माण:**.....

(क) नेताओं का मार्गदर्शन करने के लिए।

(ख) नेताओं की दैनिक सुविधाओं की देख-रेख करने के लिए।

(ग) नेताओं का स्वागत करने के लिए।

(2) **गांधीजी के नहाने के लिए गरम पानी पहुँच नहीं पाया क्योंकि**.....

(क) गांधीजी स्वयं नहाने के लिए पानी लेकर जाने वाले थे।

(ख) गांधीजी ठंडे पानी से ही स्नान करते थे।

(ग) पानी ले जाने के लिए जो बाल्टी बची हुई थी, उसका हैंडिल निकल गया था।

3) **पहेली में से विलोम शब्द ढूँढ़कर लिखिए।** **2**

र्मी	र		त्र
अ		ग	
ए	ग	दू	पा

i) पात्र × ii) जाड़ा ×

iii) पास × iv) आए ×

4) **"जो काम जिस समय करना है करना, न करना, समय के साथ दगाबाजी है।" इस कथन पर अपनेविचार लिखिए।** **2**

प्र.1.(ग) **परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :** **(4)**

1) **निम्नलिखित विधानों में से सही विधान चुनकर लिखिए ।** **1**

i) (क) रणजीत सिंह का जन्म एक शहर में हुआ था ।

(ख) रणजीत सिंह का जन्म एक कस्बे में हुआ था ।

(ग) रणजीत सिंह का जन्म एक गाँव में हुआ था ।

ii) (क) एक समीक्षक ने रणजीत सिंह को क्रिकेट का बादशाह कहा है ।

(ख) एक समीक्षक ने रणजीत सिंह को क्रिकेट का महाराजा कहा है ।

(ग) एक समीक्षक ने रणजीत सिंह को क्रिकेट का पितामह कहा है ।

2) उचित विकल्प चुनकर वाक्य पूर्ण कीजिए । 1

i) **एक प्रशंसक ने रणजी को एक करोड़पति सेठ की उपमा दी है, क्योंकि ----------**

(क) वे बहुत उदार दिल के खिलाड़ी थे ।

(ख) वे पैसे को हाथ का मैल समझते थे ।

(ग) वे मैदान में सिक्कों की तरह रनों की बौछार करते थे ।

ii) **रणजी जीवनभर अविवाहित रहे, क्योंकि ----------**

(क) विवाह को वे बधंन समझते थे ।

(ख) वे क्रिकेट को ही अपनी जीवन-संगिनी मानते थे ।

(ग) उन्होंने विवाह न करने का प्रण लिया था ।

कुमार रणजीत सिंह को भारतीय क्रिकेट का जादूगर कहा जाता है । उनका जन्म 10 सितंबर 1879 को जामनगर के पास एक गाँव में हुआ था । 'रणजी' इस छोटे से नाम से क्रिकेट की दुनिया में खूब मशहूर हुए । अपनी निराली बल्लेबाजी से उन्होंने क्रिकेट के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया, एक समीक्षक एस. ए. गोविंदराजन ने उन्हें क्रिकेट का बादशाह कहा । उनकी रन बटोरने की कला से प्रभावित होकर किसी ने उन्हें उदारतापूर्वक सिक्कों की बौछार करने वाले करोड़पति सेठ की उपमा दे दी । रणजी जीवनभर अविवाहित रहे । वे कहते थे कि क्रिकेट ही मेरी जीवन - संगिनी है । अपने विद्यार्थी जीवन में उन्होंने एक कविता लिखी थी, जिससे उनकी खेल, खिलाड़ी और खेल में होने वाली हार - जीत के बारे में आदर्श विचारधारा का पता चला है । 2 अप्रैल 1993 को उनकी मृत्यु हुई । भारत में उनकी स्मृति में हर साल 'रणजी ट्रॉफी' प्रतियोगिता आयोजित की जाती है ।

3) 'एक आदर्श खिलाड़ी' विषय पर अपने विचार 6 से 8 पंक्तियों में व्यक्त कीजिए । 2

विभाग 2 - पद्य

16 अंक

प्र.2. (च) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : (8)

1) i) **आकृति पूर्ण कीजिए। 1**

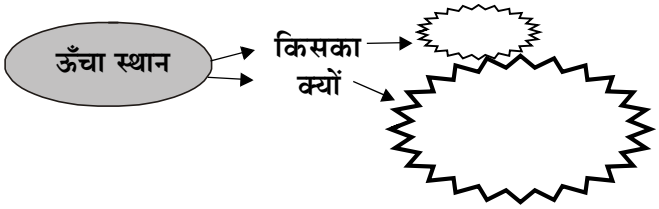

ii) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

(1)

(2)

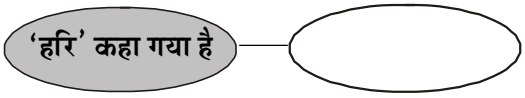

कबीरा ते नर अंध हैं, गुरु को कहते और।
हरि रूठे गुरु ठौर है, गुरु रूठे नहिं ठौर।।

2) i) **पद्यांश पर आधारित दो प्रश्न तैयार कीजिए।** **1**

(1) ..... (2) .....

ii) **उचित विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।** **1**

(1) कबीरा ते नर ..... है, गुरु को कहते और।

(अंध, मूर्ख, ज्ञानी)

(2) हरि रूठे गुरु ठौर है ..... रूठे नहिं ठौर ।।

(प्रभु, मित्र, गुरु)

3) i) **समानार्थी शब्द लिखिए।** **1**

(1) नर (2) अंध

ii) **आँख पर गढ़े गए मुहावरे लिखिए।** **1**

(1) ..... (2) .....

4) **निम्नलिखित पठित पद्यांश का भावार्थ लिखिए।** **2**

''कबीरा ते नर अंध हैं, गुरु को कहते और।
हरि रूठे गुरु ठौर है, गुरु रूठे नहिं ठौर।।''

प्र.2. (छ) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **(8)**

1) आकृति पूर्ण कीजिए। **2**

(1)

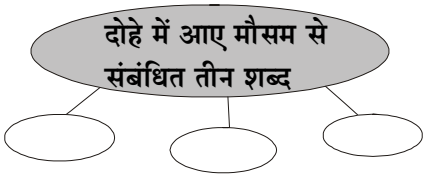

(2)

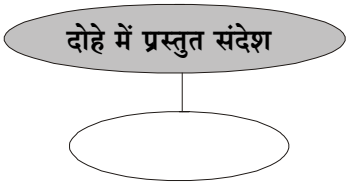

जैसी परै सो सहि रहै, कहि रहीम यह देह ।
धरती पर ही परत है, शीत, घाम और मेह ।।

2) समझकर लिखिए। **2**

i) धरती व ऋतुओं के उदाहरण से आप समझते हैं-

ii) जीवन की दो प्रमुख स्थितियाँ लिखिए ।

3) i) दोहे में प्रयुक्त समानार्थक शब्द लिखिए। **1**

(1) शरीर (1) पृथ्वी

ii) **विलोम शब्द लिखिए।** **1**

(1) धरती × (2) शीत ×

4) निम्नलिखित पठित पद्यांश का भावार्थ लिखिए । **2**

''जैसी परै सो सहि रहै, कहि रहीम यह देह ।
धरती पर ही परत है, शीत, घाम और मेह ।।"

विभाग 3 - पूरक पठन **04 अंक**

प्र.3. परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

1) उत्तर लिखिए। **2**

i) परिच्छेद में प्रयुक्त बीमारियों के नाम लिखिए।

ii) परिच्छेद में प्रयुक्त चिकित्सा विज्ञान की पद्धतियाँ लिखिए।

हम उनके पास चंदा माँगने गए थे। चंदे के पुराने अभ्यासी का चेहरा बोलता है। वे हमें भाँप गए। हम भी उन्हें भाँप गए। चंदा माँगने वाले और देने वाले एक-दूसरे के शरीर की गंध बखूबी पहचानते हैं। लेने वाला गंध से जान लेता है कि यह देगा या नहीं। देने वाला भी माँगने वाले के शरीर की गंध से समझ लेता है कि यह बिना लिए टल जाएगा या नहीं। हमें बैठते ही समझ में आ गया कि ये नहीं देंगे। वे भी शायद समझ गए कि ये टल जाएँगे। फिर भी हम दोनों पक्षों को अपना कर्तव्य तो निभाना ही था। हमने प्रार्थना की तो वे बोले-आपको चंदे की पड़ी है, हम तो टैक्सों के मारे मर रहे हैं।

सोचा, यह टैक्स की बीमारी कैसी होती है। बीमारियाँ बहुत देखी हैं - निमोनिया, कालरा, कैंसर; जिनसे लोग मरते हैं। मगर यह टैक्स की कैसी बीमारी है जिससे वे मर रहे थे! वे पूरी तरह से स्वस्थ और प्रसन्न थे। तो क्या इस बीमारी में मजा आता है? यह अच्छी लगती है जिससे बीमार तगड़ा हो जाता है। इस बीमारी से मरने में कैसा लगता होगा? अजीब रोग है यह चिकित्साविज्ञान में इसका कोई इलाज नहीं है। बड़े से बड़े डाक्टर को दिखाइए और कहिए– यह आदमी टैक्स से मर रहा है। इसके प्राण बचा लीजिए। वह कहेगा – इसका हमारे पास कोई इलाज नहीं है। लेकिन इसके भी इलाज करने वाले होते हैं, मगर वे एलोपैथी या होमियोपैथी पढ़े नहीं होते। इसकी चिकित्सा-पद्धति अलग है। इस देश में कुछ लोग टैक्स की बीमारी से मरते हैं और काफी लोग भुखमरी से।

2) "कुछ लोग टैक्स की बीमारी से मरते हैं और काफी लोग भुखमरी से।" लेखक के इस कथन पर आपकी क्या राय है? **2**

विभाग 4 - व्याकरण

10 अंक

प्र.4. सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

1) i) **निम्नलिखित शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **½**
आलोचना

ii) **अधोरेखांकित शब्द का भेद पहचानिए ।** **½**
रमेश की सच्चाई ने मुझे मोहित कर लिया ।

2) i) **निम्नलिखित वाक्य शुद्ध करके लिखिए ।** **1**
मेरी कुछ कसूर नहीं है ।

3) i) **सहायक क्रिया का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **½**
लेना

ii) **सहायक क्रिया छाँटकर लिखिए ।** ½
इसकी बकरी दबकर मर गई ।

4) **प्रेरणार्थक क्रिया के रूप लिखिए ।** **1**

मूल क्रिया	**प्रथम प्रेरणार्थक**	**द्‌वितीय प्रेरणार्थक**
जागना	-----	-----

5) i) **अव्यय का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **1**
वाह !

ii) **अव्यय पहचानकर उसका भेद लिखिए ।** **1**
गुरुजी ने कहा कि चिंता की कोई बात नहीं ।

6) **कालपरिवर्तन कीजिए ।** **2**
i) आखिर वहाँ पत्रकार भी होंगे । (सामान्य वर्तमानकाल)
ii) उसके आदमी ने बहुत मिन्नतों के बाद पीना छोड़ दिया है । (पूर्ण भूतकाल)

7) i) **मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में उचित प्रयोग कीजिए ।** **1**
राहत की साँस लेना

ii) **अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए ।** **1**
(मन न लगना, तिलिस्म टूटना, नौ दो ग्यारह होना)
नेताजी पर आरोप सिद्‌ध होते ही सच्चाई **सामने आ गई ।**

विभाग 5 - रचना

30 अंक

प्र.5. सूचना : आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है । **(15)**

1) निम्नलिखित में से किसी एक पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए । **5**

लक्ष्मीनगर, अमरावती निवासी संतोष / संगीता तिवारी ने कुछ पुस्तकें मँगवाई थीं किंतु पुस्तकों की कम प्रतियों की प्राप्ति तथा फटी पुस्तकों के कारण वे त्रस्त हैं । इस संदर्भ में वह व्यवस्थापक, शीतल बुक डिपो, मंगलवार पेठ, पूना को शिकायत पत्र लिखता / लिखती है ।

अथवा

नासिक निवासी सुंदर / सुंदरी शर्मा की छोटी बहन बीमार है । अत: वह तीन दिन की छुट्‌टी के लिए अपने प्रधानाध्यापक, तिलक विद्‌यालय, नासिक के नाम प्रार्थना पत्र लिखता / लिखती है ।

2) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 60 से 100 शब्दों में कहानी लिखकर शीर्षक दीजिए । 5

जमींदार - नौकर - चाकर, धन - दौलत व जमीन - आमदनी का कम होना- मित्र से सलाह मशवरा करना - खेत की सैर करना - नौकरों को गायब पाना - रोज खेत पर जाना - आमदनी बढ़ना ।

3) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर पाँच ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर केवल एक वाक्य में हो । 5

बातचीत में निपुण होने के लिए सबसे पहला उपाय यह है कि अपना सामान्य ज्ञान बढ़ाइए, अपना शब्दज्ञान बढ़ाइए तथा अधिकतर लोगों के बीच ही रहिए । एकांतप्रिय व्यक्ति कभी इस कला को नहीं सीख सकता । एक अन्य गुण जो कि इस कला के लिए अनिवार्य है, वह यह है कि आप अपने में सहनशक्ति उत्पन्न करें । दूसरों की बातों को यदि आप रुचिपूर्वक नहीं सुनेंगे तो आपकी बात कौन सुनेगा । सबसे बड़ी खूबी यह पैदा कीजिए कि अपने सामने वाले को कभी काटिए मत, उसकी किसी भावना को जान - बूझकर ठेस पहुँचाने की कोशिश मत करें । यदि उसकी किसी बात का प्रतिवाद करना बातचीत के लिए जरूरी भी हो जाए, तो पहले उससे सहमत हो जाएँ और फिर अपना मत कुछ इस ढंग से प्रस्तुत करें कि वह आपसे असहमत होते हुए भी सहमत होने को तैयार हो जाए । अत: यह बात गाँठ बाँध लें कि आपका चाहे जो भी क्षेत्र हो, उसमें सफल होने के लिए आपको बातचीत की कला सीखनी ही होगी ।

प्र.6. विज्ञापन : (लगभग 60 से 80 शब्दों में) 5

1)

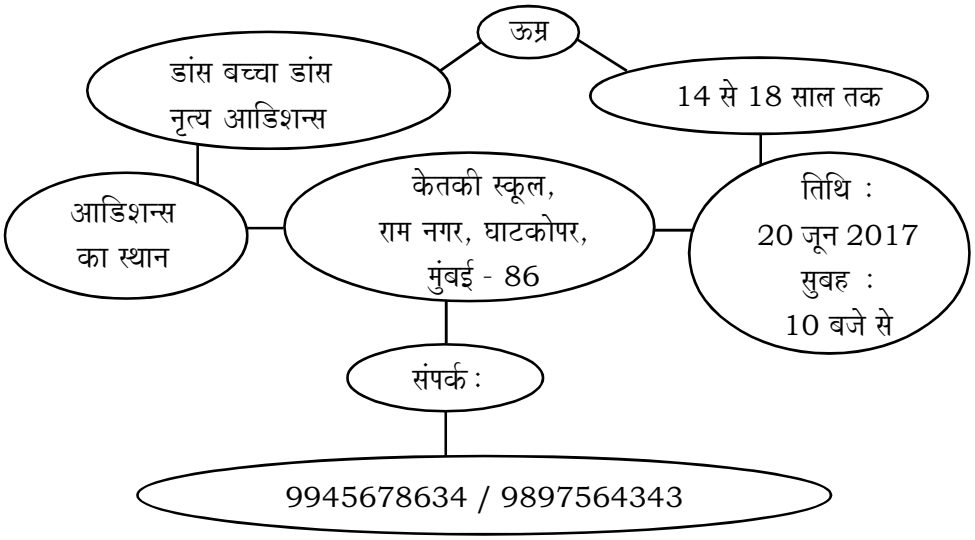

2) स्वमत : (लगभग 60 से 80 शब्दों में) **5**

पेड़ लगाओ, देश बचाओ पर आधारित एक नाटिका मैंने देखी । उसे देखने के बाद मेरे मन में विचार आए .....

3) निबंध लेखन : (लगभग 60 से 80 शब्दों में) **5**

किसी एक विषय पर निबंध लिखिए ।

1) एक अकाल पीड़ित की आत्मकथा
2) मेरा प्रिय वैज्ञानिक

Best Of Luck